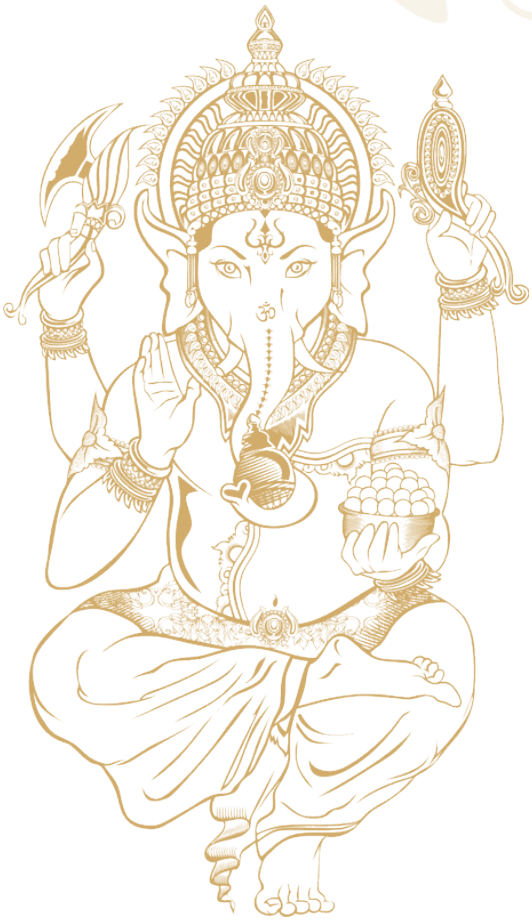

Mr.a

Ms.a

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120319801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120319801 Date: 25/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/09/1994	जन्म तिथि	24/02/1996
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	18:28:00 घंटे
घटी 10:01:26	जन्म समय(घटी)	28:48:55 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:25	सूर्योदय	06:56:26
18:12:15	सूर्यास्त	18:16:17
23:47:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:19
वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	भरणी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	3
वरियान	योग	ऐन्द्र
कौलव	करण	तैतिल
घ-घनश्याम	जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 9वर्ष 3मा 27दि		01:14:54	वृश्चि		लग्न	सिंह	14:42:02	शुक्र 6वर्ष 10मा 0दि	
शनि		11:02:56	कन्या		सूर्य	कुंभ	11:23:59	मंगल	
25/01/2020		13:05:34	मिथु		चंद्र	मेष	22:06:39	25/12/2018	
25/01/2039		02:30:37	कर्क		मंगल	कुंभ	13:20:49	25/12/2025	
शनि	28/01/2023	06:58:30	तुला		बुध	मक	18:12:06	मंगल	23/05/2019
बुध	07/10/2025	20:44:27	तुला		गुरु	धनु	16:59:52	राहु	10/06/2020
केतु	16/11/2026	20:16:29	तुला		शुक्र	मीन	24:14:04	गुरु	17/05/2021
शुक्र	15/01/2030	13:19:28	कुंभ	व	शनि	मीन	00:56:26	शनि	26/06/2022
सूर्य	28/12/2030	21:47:45	तुला	व	राहु	कन्या	24:10:11	बुध	23/06/2023
चन्द्र	28/07/2032	21:47:45	मेष	व	केतु	मीन	24:10:11	केतु	19/11/2023
मंगल	06/09/2033	28:36:26	धनु	व	हर्ष	मक	08:39:30	शुक्र	18/01/2025
राहु	13/07/2036	26:47:33	धनु	व	नेप	मक	02:51:04	सूर्य	26/05/2025
गुरु	25/01/2039	02:16:19	वृश्चि		प्लूटो	वृश्चि	09:16:45	चन्द्र	25/12/2025

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:19

लग्न-चलित

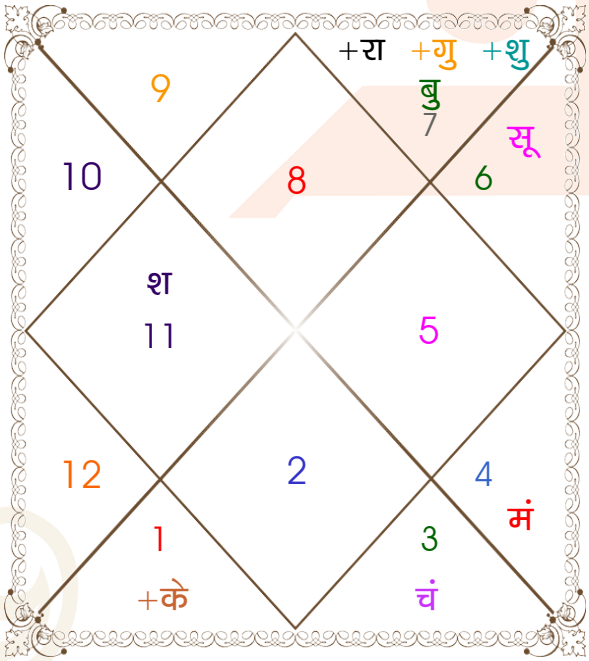

लग्न-चलित

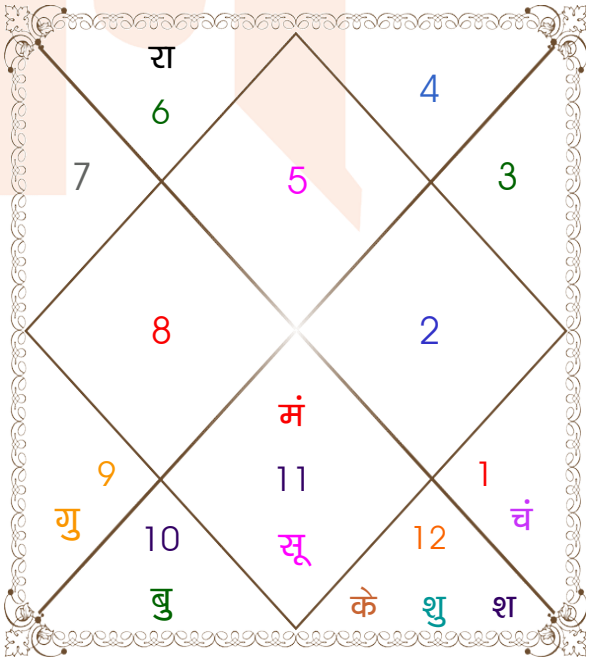

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

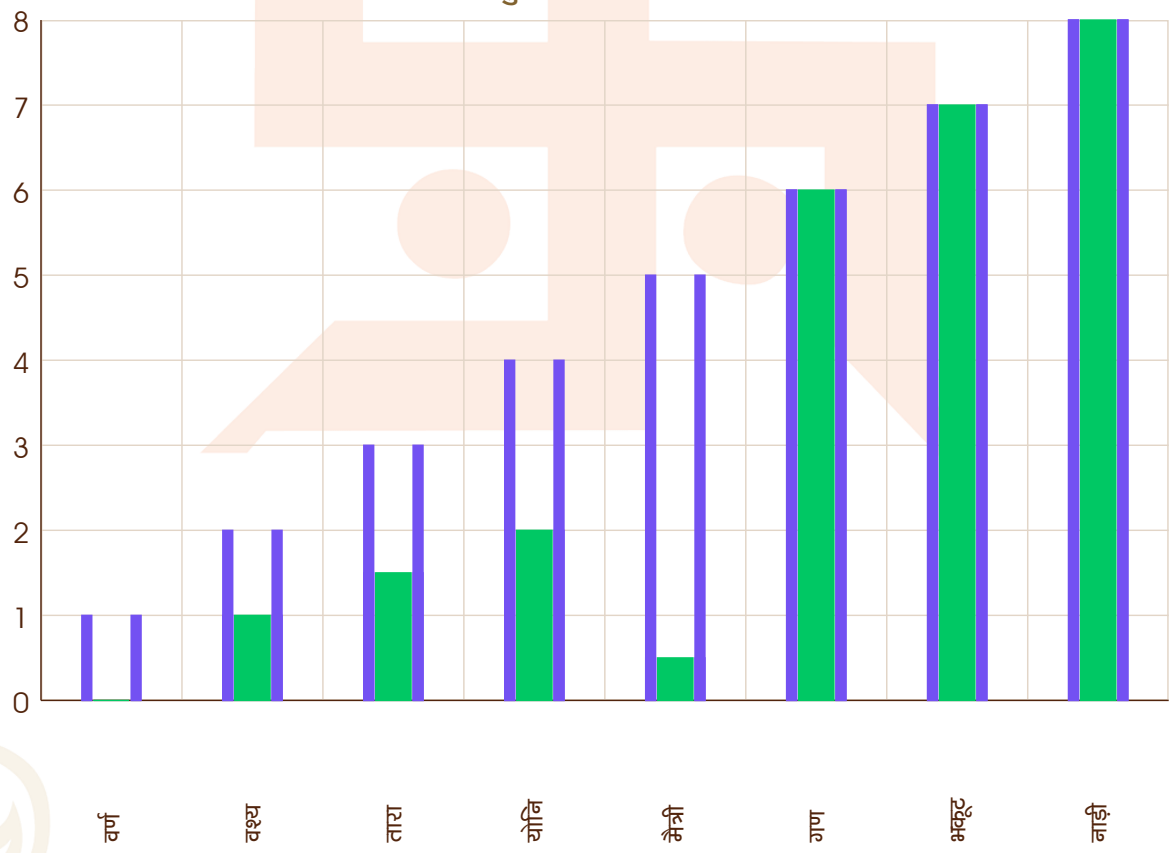

अष्टकूट मिलान

Mr.a का वर्ग मार्जार है तथा Ms.a का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.a और Ms.a का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.a मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.a मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Mr.a तथा Ms.a में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.a का वर्ण शूद्र है तथा Ms.a का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Ms.a का वर्ण Mr.a के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Ms.a अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Ms.a का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Mr.a को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Mr.a का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.a का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.a एवं Ms.a दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.a अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.a अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.a की तारा प्रत्यरि तथा Ms.a की तारा साधक है। Mr.a की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.a कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.a को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr.a की योनि श्वान है तथा Ms.a की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है।

इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.a का राशि स्वामी Ms.a के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.a का राशि स्वामी Mr.a के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.a का गण मनुष्य तथा Ms.a का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ˙ तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr.a से Ms.a की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.a से Mr.a की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.a परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.a हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.a की नाड़ी आद्य है तथा Ms.a की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.a की जन्म राशि वायु तत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ms.a की अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता के कारण Mr.a और Ms.a में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेगी। जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा। Ms.a की अग्नि तत्व राशि से यदा कदा परस्पर तनाव उत्पन्न होगा परन्तु वायुतत्व प्रधान Mr.a के प्रभाव से तनाव में कमी आएगी तथा स्थिति सामान्य हो जाएगी।

Mr.a का राशि स्वामी बुध तथा Ms.a का राशि स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से गलतफहमियों या भ्रांतियों के कारण इनके मध्य अधिकांश विवाद उत्पन्न होंगे जिससे संबधों की मधुरता में न्यूनता आएगी परन्तु Mr.a अपनी शांति एवं बुद्धिमता की प्रवृति से इसका समाधान करने में समर्थ होंगे फलतः तनाव में कमी आएगी।

Mr.a और Ms.a की राशियां परस्पर तृतीयएकादश भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से Mr.a और Ms.a आर्थिक दृष्टि से सुसम्पन्न रहेंगे तथा अपने परिश्रम एवं योग्यता से धनार्जन करेंगे। साथ ही अपने परस्पर विवादों को शांति एवं बुद्धिमता पूर्वक समाधान करेंगे जिससे मधुर संबधों में वृद्धि होगी।

Mr.a का वश्य मानव एवं Ms.a का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.a और Ms.a की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता की कमी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Mr.a का वर्ण शूद्र तथा Ms.a का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Ms.a उत्साही पराक्रमी एवं साहसी महिला होंगी तथा ऐसे ही कार्यो को सम्पन्न करेंगी परन्तु Mr.a की प्रवृति कार्य विशेष में न होकर किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने में रहेगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी परन्तु यदा कदा Ms.a की अपेक्षा Mr.a के मन में हीनता की भावना उत्पन्न हो सकती है।

धन

Mr.a और Ms.a की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Mr.a एवं Ms.a की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.a और Ms.a की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Mr.a को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Mr.a और Ms.a धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr.a का जन्म आद्य तथा Ms.a का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Mr.a के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Mr.a को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.a और Ms.a का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.a और Ms.a के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.a के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.a को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.a को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.a और Ms.a सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.a और Ms.a का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.a के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.a धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो

सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.a के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.a का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.a से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.a की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr.a सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr.a का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr.a के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr.a भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.a के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।